

डॉ. ब्रूस वाल्टके, भजन, व्याख्यान 16

© 2024 ब्रूस वाल्टके और टेड हिल्डेब्रांट

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 16, याचिका स्तोत्र, विलाप, स्तोत्र 22 है।

मैं आपको नोट्स में इंगित करता हूँ जहाँ मैं एलोहिस्टिक स्तोत्र पर चर्चा करता हूँ और यह आपके नोट्स के पृष्ठ 332 पर है। पृष्ठ 332 पर, मैं आपको इसे समझने के तरीके पर डेटा और कुछ सुझाव देता हूँ। तो, मैं डेटा से शुरू करता हूँ। शेष स्तोत्र में आई एम और एलोहीम के उपयोग के बीच आश्चर्यजनक सांख्यिकीय विरोधाभास हैं, जो कि भजन 42 से 83 के बीच है, जो कि एलोहिस्टिक स्तोत्र और शेष स्तोत्र है।

इसलिए, उदाहरण के लिए, भजन 1 से 41 और 84 से 150 तक, इन खंडों में आई एम का उपयोग 584 बार किया गया है और एलोहिम का उपयोग 94 बार किया गया है। भजन 42 से 83 में, एलोहिस्टिक स्तोत्र, आई एम का उपयोग 45 बार और एलोहीम का 210 बार किया गया है। तो, आप देख सकते हैं कि दिव्य नाम के उपयोग में एक जबरदस्त बदलाव आया है।

पुनः, पृष्ठ 335 पर, डेटा को देखते हुए, विकल्प की अधिकांश घटनाएँ समानता के कारण होती हैं। 1 से 44 और 84 से 150 तक, ए पद्य सेट में आई एम है, और बी पद्य सेट में एलोहिम है। 42 से 83 में, यह बिल्कुल आरक्षित है, उलटा है कि एलोहिम ए पद्य सेट में है और आई एम बी पद्य सेट में है।

वास्तव में, सिनॉटिक सामग्री में, उदाहरण के लिए, यदि आप इसे देखना चाहते हैं, तो पहली पुस्तक में भजन 14 पर एक नज़र डालें। आप ऐसा कई स्थानों पर कर सकते हैं। मैं आपको वहाँ डेटा देने जा रहा हूँ।

भजन 14, मूर्ख ने अपने मन में कहा, कोई परमेश्वर नहीं, और वे भ्रष्ट हैं। पद 2, प्रभु स्वर्ग से समस्त मानवजाति पर दृष्टि डालते हैं कि क्या उनमें कोई समझने वाला, कोई ईश्वर को खोजने वाला आदि है। अब वह पद 2 था। अब भजन 53 की ओर मुड़ें, जो एलोहिस्टिक स्तोत्र में है।

मैं इसे यहाँ नहीं ढूँढ सकता। 53 मूर्ख अपने मन में कहता है, कोई परमेश्वर नहीं। वे भ्रष्ट हैं और उनके तरीके नीचे हैं।

भला करने वाला कोई नहीं, लेकिन अब परिवर्तन पर ध्यान दो। भगवान स्वर्ग से नीचे देखते हैं। आप भजन 14 में मैं हूँ या प्रभु के स्थान पर परिवर्तन देखते हैं, अब यह ईश्वर है।

यह उस प्रकार का परिवर्तन है जो हमें मिलता है, मुझे लगता है कि यह पहचानना बहुत वैध है कि भजन 42 से 83, किसी कारण से बदल रहे हैं और अनुबंध-पालन करने वाले भगवान के ऊपर पारलौकिक भगवान को प्राथमिकता दे रहे हैं। अब, उस डेटा को प्राप्त करने और यह समझने

की कोशिश करने पर कि क्या हो रहा है, यह इस पर काफी नया शोध है। मैं अब पृष्ठ 334 और एफ की ओर मुड़ता हूँ और वहां 42 भजन हैं और यह भजन 42 से शुरू होता है।

मैं कविता के प्राचीन निकट पूर्वी संग्रहों में संख्या 42 के आंकड़ों को प्रमुखता से नोट करता हूँ। और इस संग्रह में, 42 भजन हैं और यह भजन 42 से शुरू होता है। मैं कहता हूँ कि पुराने नियम में अन्यत्र, अंक 42 का उपयोग निर्णय के संदर्भ में, अकाल मृत्यु के संदर्भ में किया जाता है।

यह एप्रैमियों का होगा। ओह, यह जॉर्डन के पार है। ये हजारों में है।

मैं पृष्ठ 334 पर हूँ। और मैं यह दिखा रहा हूँ कि यह अकाल मृत्यु को कहां संदर्भित करता है। इसका उपयोग एप्रैमियों के लिए किया जाता है जो शिब्बोलेथ नहीं कह सकते थे।

और मुझे लगता है कि 42,000 को मौत की सज़ा दी गई है, अकाल मृत्यु। पुनः, इसका उपयोग बच्चों के लिए किया जाता है, 42 बच्चे। इसका उपयोग अहज्याह के रिश्तेदारों के लिए किया जाता है।

42 ऐसे हैं जिन्हें मौत की सज़ा दी गई है। मुझे लगता है कि प्रतीकात्मक क्लेश में क्लेश पर इसका कुछ प्रभाव पड़ता है। जब आपके पास 42 महीने का आधा वर्ष होता है तो मैं इसे शाब्दिक रूप से लेता हूँ।

मुझे लगता है कि यह सब एक साथ फिट बैठता है। इसलिए, मुझे संदेह है कि ऐसा हो सकता है, क्योंकि यह यरूशलेम के विनाश से निपटने जा रहा है। मुझे लगता है कि यह हो सकता है, और यह भी हो सकता है कि इसके पीछे निर्वासन में यरूशलेम की अकाल मृत्यु या मौत हो।

इसका दूसरा भाग यह है कि वे निर्वासन से बाहर आने वाले हैं और इसके पीछे मोक्ष होने वाला है। तो, मुझे लगता है कि यह बहुत अंधेरा है, इसमें अंधेरा होने की प्रवृत्ति होती है। भजन 51 कुछ हद तक इसमें फिट बैठता है, यह कहना कि ईश्वर क्षमा कर सकता है।

जब राष्ट्र पश्चाताप करता है, तो ईश्वर क्षमा कर सकता है। यह आपको हमारी समझ को एक और आयाम देता है। वे कम से कम वहीं तक हैं जहाँ तक मैं इस मामले के बारे में अपनी सोच में आया हूँ।

ठीक है। अब हम पृष्ठ 188 पर हैं और हम एक और विलाप स्तोत्र, व्यक्तिगत विलाप करने जा रहे हैं। तो, हमने व्यक्तिगत विलाप किया, सबसे पहला विलाप, भजन 3। हमने प्रायश्चित्त भजन, पाप के लिए विलाप, भजन 51 में एक बहुत ही विशिष्ट प्रकार का विलाप लिया।

मैंने सोचा, ठीक है, हम यहां एक मसीहाई भजन को भी जोड़ सकते हैं, स्पष्ट रूप से मसीहाई भजन यह भजन यीशु मसीह और उनकी मृत्यु को चित्रित कर रहा है। यह एक भजन है जिसे यीशु ने अपने होठों पर तब लिया था जब वह क्रूस पर थे। हम बहुत पवित्र भूमि पर हैं।

यह स्पष्ट रूप से हमारे प्रभु के होठों पर था जब वह मर रहे थे। यह क्रूस पर हमारे प्रभु के सात वचनों में से चौथा है। मैं तुम्हें क्रूस पर सात वचन देता हूँ, जिसकी शुरुआत इस प्रकार है, हे पिता, उन्हें माफ़ कर देना क्योंकि वे नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं।

और अंत में, पिता, मैं अपनी आत्मा को आपके हाथों में सौंपता हूँ। और बीच में, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तू ने मुझे क्यों छोड़ दिया? और वह सात में से चौथा स्तोत्र है। और यह कहावत, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तू ने मुझे क्यों छोड़ दिया, बहुत से लोगों को ठोकर खिलाती है, क्योंकि ऐसा लगता है मानो यीशु कह रहा है, मैं मार्ग भूल गया हूँ।

भगवान, मुझे छोड़ दो। मैं यहां उद्धृत कर रहा हूँ, लेकिन भगवान ने अपनी कृपा से मुझे, मुझे नहीं पता, हजारों छात्रों को सौंपा है। मैं 1958 से पढ़ा रहा हूँ और भगवान ने मेरी देखभाल का जिम्मा मुझे सौंपा है।

मुझे लगता है, कौन जानता है, मैं सभी को नहीं जानता, कक्षा में 15 से 20,000। और भगवान की कृपा से, मुझे लगता है कि जो लोग आस्था से अलग हुए हैं, उनकी संख्या पाँच से कम है। यह उन छात्रों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।

इस भजन ने उसे अचंभित कर दिया। इसलिए, वह अपने विश्वास से दूर चला गया। वह कैसा शासक था, मैंने कभी नहीं सोचा था कि आपको सच बताने के लिए उसके पास वास्तव में विश्वास था, लेकिन उसने विश्वास का पेशा बना लिया था और वह उससे दूर चला गया।

लेकिन कक्षा में भी, मैं बता सकता था कि वह कुछ हद तक शंकित था। मैंने आपको उसका पत्र दिया था और वह मुझसे बहस करना चाहता था। मुझे लगता है कि एक बार जब आपने भगवान की चीजों का स्वाद चख लिया और आप उससे मुंह मोड़ लेते हैं, तो मुझे नहीं लगता कि आपके लिए कोई उम्मीद है।

मुझे नहीं लगता कि आप परमेश्वर के पुत्र को दोबारा क्रूस पर चढ़ा सकते हैं। मुझे नहीं लगता कि तुम वापस आ सकते हो। यदि हम उसका इन्कार करते हैं, यद्यपि हम विश्वासघाती हैं, तो भी वह विश्वासयोग्य बना रहता है।

परन्तु यदि हम उसका इन्कार करें या उसका इन्कार करें, तो वह भी हमारा इन्कार करेगा और हमारा इन्कार करेगा। जॉन कहते हैं, एक प्रार्थना है। मैंने कहा, एक निश्चित पाप के लिए, जिसमें आप ईश्वर को स्वीकार करने के बाद उसे त्याग देते हैं।

मैं कहता हूँ, उसके लिए प्रार्थना मत करो। इस तरह मैं 1 जॉन को समझता हूँ। खैर, मुझे संदेह है कि मेरा गरीब छात्र उसी स्थिति में है।

इसलिए, कुछ चीजें हैं जिन पर मैं बहस नहीं करूंगा। और मैं इसे बस एक हारा हुआ कारण मानता हूँ। यदि आप यह जानने जा रहे हैं कि यह सिर्फ झगड़ा शुरू करने वाला है और इससे कोई फायदा नहीं होने वाला है, तो ऋषि आपको बताते हैं कि इससे पहले कि मामला बिगड़ जाए और पूरा बांध टूट जाए और बाढ़ आ जाए, इसे छोड़ दें।

मुझे लगता है कि यदि आप जानते हैं कि किसी व्यक्ति को सुधारा नहीं जा सकता है और वह बस वापस आ जाएगा, तो इसे बदतर न बनाएं। तो, आपको यह जानने के लिए यहां कुछ विवेक का उपयोग करना होगा कि मामला क्या है। ठीक है।

हम पृष्ठ 190 पर हैं और आप देख सकते हैं कि यह एक लंबा भजन है। मैं वही करूंगा जो मैंने भजन 3 और 51 के साथ किया था, बिना सभी नोट्स में गए। सारे नोट वहीं हैं।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम सिर्फ भजन को देखेंगे और उस पर टिप्पणी करेंगे। ठीक है। तो, हम शुरू करते हैं।

यह डेविड का एक भजन है। इस विशेष भजन में, डेविड के सभी भजन अलग-अलग तरीकों से मसीह के बारे में बात करते हैं। वे मसीह के बारे में केवल प्रकार से बात करते हैं।

वह एक प्रकार का मसीह है। वही राजा है। और यह विशिष्ट है।

दूसरा प्रकार यह है। वे मसीह के बारे में बात करते हैं। वह एक प्रकार का मसीह है, लेकिन वह भविष्यसूचक भाषा का उपयोग करता है।

वह ऐसी भाषा का प्रयोग करता है जो उसके अपने अनुभव से परे होती है। इस भजन का विवरण डेविड के जीवन से मेल नहीं खाता है, लेकिन वे विशेष रूप से यीशु या क्रूस के जीवन से मेल खाते हैं। तो, ये विशिष्ट भविष्यसूचक भजन हैं।

मुझे लगता है कि केवल एक ही भजन है जो पूरी तरह से भविष्यसूचक हो सकता है और वह भजन 110 है। तो, ज्यादातर यह टाइपोलॉजी है। आपके पास यह है, भाषा इतनी आश्चर्यजनक है कि यह आमतौर पर भविष्यसूचक है।

वह ऐसी भाषा का प्रयोग कर रहा है जो उसके अपने अनुभव से परे है। मेरे भगवान, मेरे भगवान, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया है? यह मेरी दहाड़ के शब्दों से मुझे बचाने से क्यों दूर है? हे परमेश्वर, मैं दिन को तो चिल्लाता हूं, परन्तु रात को तू उत्तर नहीं देता, और मैं चुप नहीं रहता। कोई समाप्ति नहीं, कोई उत्तर नहीं।

तौभी तू पवित्र है, इस्राएल की स्तुति पर विराजमान है। और हमारे बापदादों ने तुम पर भरोसा रखा। उन्होंने भरोसा किया और आपने उन्हें पहुंचाया।

उन्होंने तेरी दुहाई दी और बच गए। और तुम थे, उन्होंने भरोसा किया और लज्जित न हुए। परन्तु मैं एक कीड़ा हूं, मनुष्य नहीं, मनुष्यों द्वारा तिरस्कृत, लोगों द्वारा तिरस्कृत।

जो कोई मुझे देखता है वह मेरा उपहास करता है। उन्होंने अपने होंठ खोल दिये। वे अपना सिर हिलाते हैं।

अपने आप को मैं हूँ के प्रति समर्पित करें। आइए मैं उसे बचाऊँ। उसे उसे छुड़ाने दो।

निश्चित ही, वह उससे प्रसन्न होता है। निःसंदेह तू ही वह है, जिसने मुझे गर्भ से बाहर निकाला। जिसने मुझे मेरी माँ के स्तन पर भरोसा दिलाया।

गर्भ से ही मैं तुम पर डाला गया था। माँ के पेट से, तुम मेरे भगवान हो। मुझसे दूर मत रहो, क्योंकि मुसीबत निकट है।

निश्चय ही मदद करने वाला कोई नहीं है। बहुत से बैल मुझे घेरे हुए हैं, चमकते हुए बलवन्त बैल मुझे घेरे हुए हैं। सिंह अपने शिकार को फाड़ डालते हैं और मुझ पर अपना मुँह फैलाकर दहाड़ते हैं।

मैं जल की नाई बह गया हूँ, और मेरी सब हड्डियों का जोड़ टूट गया है। मेरा दिल मोम हो गया है। यह मेरे भीतर पिघल गया है।

मेरी शक्ति घड़े के ठीकरे के समान सूख गई है, और मेरी जीभ तालु से चिपक गई है। और तुम मुझे मृत्यु की धूल में डाल देते हो। अवश्य कुत्ते मुझे घेर लेते हैं।

दुष्टों का एक दल मुझे घेर रहा है। उन्होंने मेरे हाथों और पैरों में छेद कर दिये। मैं अपनी हड्डियों पर भरोसा कर सकता हूँ।

लोग घूरते हैं और मुझ पर खुशी जताते हैं। वे मेरे वस्त्र आपस में बांटते हैं, और मेरे वस्त्रों पर चिट्ठी डालते हैं। लेकिन तुम मैं हूँ, दूर मत रहो।

मेरी सहायता के लिए शीघ्र आओ, मेरे जीवन को तलवार से, मेरे बहुमूल्य जीवन को कुत्तों की शक्ति से बचाओ। मुझे शेरों के मुँह से बचा। जंगली बैलों के सींगों से मुझे उत्तर दो।

मैं मण्डली में अपने भाइयों को तेरा नाम बताऊंगा। मैं तुम्हारी प्रशंसा करूंगा. जो मेरा भय मानते हैं, वे उसकी स्तुति करते हैं।

हे याकूब के सब वंशो, हे इस्राएल के सब वंशो, उसका आदर करो, उसका आदर करो। परन्तु उसका तिरस्कार नहीं किया जाता। उसने पीड़ित व्यक्ति की पीड़ा से घृणा नहीं की है।

उन्होंने अपना चेहरा उनसे नहीं छिपाया है।' लेकिन जब उसने मदद के लिए उसे पुकारा तो उसने उसकी बात सुनी। विशाल सभा में आपकी स्तुति करने का मेरा कार्य आपसे ही आता है।

मैं तेरे डरवैयों के साम्हने अपनी मन्त्रतें पूरी करूंगा। गरीबों को खाने दो और तृप्त होने दो। जो यह खोजते हैं कि मैं हूँ, वे उसकी स्तुति करें।

अपने हृदयों को सदैव जीवित रहने दो। पृथ्वी के दूर दूर देशों के लोग स्मरण करके यहोवा की ओर फिरें, और जाति जाति के सब कुलों के लोग उसके साम्हने दण्डवत् करें। क्योंकि राष्ट्रों पर शासक होने के नाते प्रभुता प्रभु की है।

पृथ्वी के सब धनवान, पृथ्वी के सब धनवान उसे दण्डवत् करें। उसके साम्हने घुटने टेकेंगे वे सब जो मिट्टी में मिल गए, अर्थात् जिन्होंने अपना प्राण नहीं बचाया। उनका बीज उनकी सेवा करे।

उनकी पीढ़ी को सब के प्रभु के विषय में बताया जाए। वे आएँ और अभी तक अजन्मे लोगों को उसकी धार्मिकता का प्रचार करें। क्या वे कह सकते हैं, निश्चित रूप से, उसने कार्य किया है।

मुझे लगता है कि आप देख सकते हैं कि यह स्पष्ट रूप से एक शोकगीत है। यह कोई शिकायत नहीं है। यह एक सच्चा विलाप है।

इसमें फिर से सभी रूपांकन हैं। ध्यान दें कि यह कैसे संबोधन से शुरू होता है, मेरे भगवान, मेरे भगवान। विलाप विलाप और आत्मविश्वास तथा प्रशंसा का मिश्रण है।

यह श्लोक एक से 10 तक चलता है। यह एक मिश्रण है। इसकी शुरुआत विलाप से होती है और फिर वह आत्मविश्वास और प्रशंसा की ओर बढ़ता है।

तब आप विलाप करते हैं और वह आत्मविश्वास और प्रशंसा में बदल जाता है। यह एक मिश्रण है और यह छंद एक से 10 तक है। श्लोक 11, मैं तर्क दूंगा कि यह एक संक्रमणकालीन छंद है जो उस विलाप को उस याचिका के साथ जोड़ता है जो उसके बाद आएगी।

मुझसे दूर मत रहो, क्योंकि मुसीबत निकट है। निश्चय ही मदद करने वाला कोई नहीं है। और फिर आपको 12 से 18 तक सात पद मिलते हैं।

आपके पास 12 से 18 तक सात श्लोक हैं, जिनमें वह सचमुच विलाप करता है और अपनी स्थिति का वर्णन करता है। फिर उसके बाद याचिका के तीन छंद आते हैं और वे एकजुट होते हैं। वह विलाप और याचिका विभिन्न तरीकों से एकजुट हैं।

इसके बाद श्लोक 12 के बाद, आप श्लोक 12 से श्लोक 21 तक जाते हैं और आपको याचिका के साथ इस विलाप के 10 श्लोक मिलते हैं। मुझे लगता है कि आप श्लोक 22 में आपको प्रशंसा की ओर जाते हुए देख सकते हैं। मैं अपने भाइयों को आपका नाम बताऊंगा।

और वह प्रशंसा में है। यह 22 से 31 तक चलता है। इसलिए यह तीन छंदों में आता है, एक से 10, संक्रमण 11, 12 से 21, और 22 से 31।

तो, आपके पास 10, 10, 10 हैं। मुद्दा यह है कि इस भयानक स्थिति के बीच जिसमें वह खुद को पाता है, वह बड़ी समरूपता के साथ रचना करने में सक्षम है। विलाप में उनकी भावनाएँ नियंत्रण से बाहर नहीं होतीं।

इस पर उस व्यापक दृष्टिकोण के साथ, आइए पहले श्लोक को देखें, जो विलाप, आत्मविश्वास और प्रशंसा का मिश्रण है। वह दो छंदों में आता है, छंद एक से पांच तक और छंद छह से 10 तक। पहले छंद में, उसे भगवान द्वारा त्याग दिया जाता है।

मेरे भगवान, मेरे भगवान, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया है? दूसरे श्लोक में, उसे लोगों द्वारा त्याग दिया गया है। जो कोई मुझे देखकर मेरा उपहास करता है, उसके होंठ फूट जाते हैं। और इसलिए उसे भगवान ने त्याग दिया है और उसे लोगों ने त्याग दिया है।

मैं एक कीड़ा हूं और मनुष्यों द्वारा तिरस्कृत और लोगों द्वारा तिरस्कृत मनुष्य नहीं हूं। पहले छंद में, वह अपने पिताओं के प्रति ईश्वर की अतीत की निष्ठा में अपना विश्वास पाता है। फिर भी आप पवित्र हैं, श्लोक तीन में एक हैं, इसराइल की स्तुति पर विराजमान हैं।

हमारे बाप-दादों ने तुम पर भरोसा किया है। उन्होंने भरोसा किया और आपने उन्हें पहुंचाया। दूसरे श्लोक में, उसका आत्मविश्वास पिताओं के प्रति ईश्वर की अतीत की निष्ठा से नहीं, बल्कि स्वयं के प्रति ईश्वर की अतीत की निष्ठा से बढ़ा है।

वह श्लोक नौ में है। तू ही वह है जिसने मुझे गर्भ से बाहर निकाला, वही तू है जिसने मुझे मेरी माँ की छाती पर भरोसा दिलाया। इसलिये हमारे बापदादों ने तुम पर भरोसा किया, और अब तू ने मुझ पर भरोसा किया है।

तो, हमारे पास ये दो श्लोक हैं जो विलाप और आत्मविश्वास, विलाप और आत्मविश्वास के चक्रीय हैं। और आप देख सकते हैं कि यह वैकल्पिक समानता है, ए, बी, ए'बी'। और फिर भी वहाँ वृद्धि हुई है जहाँ उसे भगवान द्वारा त्याग दिया गया है।

उसे लोगों ने त्याग दिया है. उसे अपने पिताओं पर भरोसा था, जिन पर भरोसा था और अब उसे खुद पर भरोसा है, भगवान की अतीत की वफादारी पर, जैसे उसने उस पर भरोसा किया था। और उसे कभी ऐसा क्षण नहीं आया जब उसे भरोसा न हो कि उसकी माँ के गर्भ से कौन है।

ठीक है। तो यह सिंहावलोकन देता है। आपके पास पांच हैं.

अब मेरे पास 10 श्लोक थे और अब मेरे पास पाँच और पाँच हो गये। और यदि तुम देखो, तो मेरे पास विलाप के दो पद हैं, हे मेरे परमेश्वर, तू ने मुझे क्यों छोड़ दिया? और फिर स्तुति के तीन श्लोक. और फिर यह बदल जाता है कि आपके पास विलाप के तीन छंद और आत्मविश्वास के दो छंद हैं।

भजनहार पूर्ण नियंत्रण में है। उसने उसे खोया नहीं है, उसकी भावनाएं उस पर हावी नहीं हुई हैं। वह पूरी तरह से तर्कसंगत है और फिर भी बहुत भावुक है।

इस तरह से एक भजन की रचना करना अद्भुत है। और यह वही है, और यही वह है जिसका उपयोग यीशु क्रूस पर कर रहे हैं। और जब वह अपने भजन से एक शब्द उठाता है, तो आपको पूरे भजन को ध्यान में रखना होगा।

तो, यह उनका चौथा शब्द है, लेकिन वह क्रूस पर इस भजन का पाठ कर रहे हैं, मैं इसे लेता हूँ। यह सब उस पर बिल्कुल फिट बैठता है क्योंकि वे उसका मजाक उड़ा रहे हैं जैसा कि हम पाते हैं। जो मुझे देखते हैं वे सब मेरा तिरस्कार करते हैं।

वे मेरा मजाक उड़ाते हैं. वे कहते हैं, यहोवा ने उसे प्रसन्न किया, वह भी उस से प्रसन्न हो। और वे अपना सिर हिलाते हैं.

और वह सब ठीक-ठीक उठाया गया है। मैथ्यू ने भजन के शब्दों में सूली पर चढ़ने के दृश्य का वर्णन किया है। लेकिन मुझे लगता है कि भजन यह भविष्यवाणी कर रहा है कि क्रूस पर वास्तव में क्या हुआ था।

तो फिर, इन दो वृत्तों के साथ श्लोक एक से पाँच तक को देखते हुए, वह कहता है, हे मेरे परमेश्वर, हे मेरे परमेश्वर, तू ने मुझे क्यों त्याग दिया है? तुम मुझे मेरी कराह के शब्दों से बचाने से इतने दूर क्यों हो? हे परमेश्वर, मैं दिन को तो चिल्लाता हूँ, परन्तु तू उत्तर नहीं देता, परन्तु रात को मैं दुःखी होता हूँ। दूसरे शब्दों में, ऐसा हर समय लगता है, मेरा मतलब है, यह रोने के साथ पूरी तरह से सही नहीं होगा, लेकिन दिन-रात मैं लगातार चिल्ला रहा हूँ और ऐसा लगता है कि आपने मुझे इसके बीच में ही छोड़ दिया है। मैं कह रहा हूँ कि यह मानक ईसाई अनुभव है।

जैसा कि हमने भजन पर चर्चा की, आप उन्हें ढूँढते हैं, हे भगवान, कब तक? और जैसा कि मैंने कहा, आप उन अनुभवों से गुज़रते हैं, जहाँ आप तब तक दरवाज़ा खटखटाते हैं जब तक कि आपकी उंगलियाँ खून से लथपथ न हो जाएँ। कोई भी दरवाज़ा नहीं खोलता और ऊपर की रोशनी बंद है। और यही वह महसूस कर रहा है.

इसलिए, मसीह का परीक्षण सभी बिंदुओं पर किया गया है जैसा कि हमारा किया गया है। उनमें से एक वह परीक्षा है जहाँ आप महसूस करते हैं कि ईश्वर ने आपको त्याग दिया है। और वह हमारे साथ उस अनुभव से गुज़रा।

हम अकेले नहीं हैं. और जब वह उस से होकर गुज़रा, तो हमारे साम्हने उसकी परीक्षा हुई, तौभी उस ने पाप न किया। तो, वह ईमानदार अभिव्यक्ति देते हैं, लेकिन आप देख सकते हैं कि यह पूरे आत्मविश्वास के साथ है और यह प्रशंसा के साथ समाप्त होने वाली है।

यह एक स्तुति-संबंधी टिप्पणी है. और यही अंतर है. यह बिल्कुल फिट बैठता है.

श्लोक तीन से पांच तक, भगवान की पिछली वफादारी एक महान ट्रैक रिकॉर्ड है। फिर भी आप पवित्र हैं, बिल्कुल अलग हैं, इसराइल की स्तुति पर विराजमान हैं, ईश्वर आत्मा हैं। और इसलिए यह चित्रित है कि जब हम अपनी आध्यात्मिक स्तुति करते हैं, तो भगवान हमारी स्तुति पर विराजमान होते हैं।

यशस्वी। उन्होंने तेरी दुहाई दी और बच गए। उन्होंने तुझ पर भरोसा रखा और लज्जित न हुए।

अब उस पहली इकाई के होने पर, वह अब स्वयं को अपने ऊपर ले लेता है। लेकिन मैं बिल्कुल एक कीड़ा हूँ जो दूसरों की नजर में है। मैं प्रकट भी नहीं होता, मेरे साथ एक इंसान के रूप में व्यवहार या विचार भी नहीं किया जाता और मैं प्रकट भी नहीं होता।

मुझे नहीं पता कि इसे कैसे आगे बढ़ाया जाए। लेकिन, आप जानते हैं, क्रॉस पर, वह कितना कलंकित हुआ था। वह अब इंसान नहीं दिखता था।

आपको मेल गिब्सन की फिल्म, द पैशन ऑफ द क्राइस्ट से कुछ पता चला कि वह अब इंसान नहीं दिखता था। वह बहुत शादीशुदा था। और यशायाह ने उसके बारे में यही भविष्यवाणी की थी।

वह इतना बिगड़ गया कि उसने कहा, मैं आदमी नहीं हूँ। मैं तो बस एक कीड़ा हूँ और भयानक हूँ। लोग मुझसे पूछते हैं कि क्या यह सचमुच सच है।

मैं कहता हूँ, मुझे लगता है कि यह उससे भी बदतर था जितना मैं जानता हूँ। क्रॉस के बारे में कुछ ऐसी बातें हैं जो मैंने पढ़ी हैं जिनके बारे में मैं सार्वजनिक रूप से चर्चा भी नहीं करना चाहता। यह बहुत भयानक है।

और वे उसका उपहास करते हैं। श्लोक 7, वे तिरस्कृत हैं, तिरस्कृत हैं। जो कोई मुझे देखता है वह मेरा उपहास करता है।

वे इसे अपने पास नहीं रख सकते। उनका विश्वासघात सामने आना ही चाहिए। उन्होंने अपने होंठ खोल दिये।

वे उपहास में अपना सिर हिलाते हैं। तब वे स्वीकार करते हैं कि वह पाप रहित है। अपने आप को मैं हूँ के प्रति समर्पित करें।

उसे उसे बचाने दीजिए। उसे उसे छुड़ाने दो। निःसंदेह, वह उससे प्रसन्न होता है।

उन्होंने उसमें कोई पाप नहीं पाया। और अब उनका अपना आत्मविश्वास, अपने अनुभव से। निःसंदेह तू ही वह है, जिसने मुझे गर्भ से बाहर निकाला।

जिसने मुझे मेरी माँ के स्तन पर भरोसा दिलाया। मैं नोट्स में उनसे पूछता हूँ कि अगर उनकी माँ की शादी नहीं हुई होती और उन्होंने उनके विश्वास का दूध पिया होता तो चीजें कितनी अलग होतीं। मुझे अभी भी एक बच्चे के रूप में नर्सिंग करना याद है।

मुझे याद है मुझे लगता है कि मैं सिर्फ अपनी माँ का दूध ही नहीं पी रहा था, मुझे लगता है कि मैं उसका विश्वास और उसका प्यार भी पी रहा था। यह आपके अस्तित्व का हिस्सा बन गया। और बस।

तूने मुझे उस गर्भ से ही भरोसा दिलाया, जो मैं तुझ पर सौंपा गया था। मेरी माँ के पेट से, तुम मेरे भगवान हो। इसलिए, वह विश्वास के बिना एक पल भी नहीं जानता था।

मैं ऐसे बहुत से लोगों को जानता हूँ जो कभी एक क्षण भी नहीं जानते थे, जो एक ईसाई घर, ईसाई आस्था में पले-बढ़े थे, और जिनके मन में कभी भी अविश्वास का एक क्षण भी नहीं आया। मुझे नहीं लगता कि बड़े होते हुए मुझे कभी भी वास्तविक अविश्वास का कोई क्षण मिला हो। एक समय ऐसा आया जब मुझे एहसास हुआ कि मैं एक पापी हूँ और मुझे एक उद्धारकर्ता की जरूरत है।

अब वह विलाप की ओर बढ़ता है और वह इसका उपयोग करता है, और यह भी दो चक्रों में पड़ता है। सबसे पहले, वह जूमोर्फिक शब्दों में दुश्मनों का वर्णन करता है। 12 वे बैल हैं, 13 वे सिंह हैं।

और फिर दो के बाद वह अपने अनुभव पर वापस आता है। और यह कहता है कि मैं पानी की तरह बहाया गया हूँ। मेरा हृदय मोम हो गया है, परन्तु मेरी शक्ति सूख गई है।

और फिर उन छंदों के बाद, वह फिर से इस जूमोर्फिक इमेजरी की ओर मुड़ता है। अब दुश्मन की तुलना कुत्तों से की जाने लगी है। फिर वह अपने निजी अनुभव की ओर मुड़ता है।

मैं अपनी हड्डियों पर भरोसा कर सकता हूँ। तो, अब इन शब्दों का उपयोग करते हुए, जब वह कहता है, बहुत से बैल मुझे घेरे हुए हैं, बाशान के मजबूत बैल, वे बेहद अमीर हैं, अच्छी तरह से खिलाए गए हैं, और बेहद मजबूत हैं। मजबूत बैलों से उसका कोई मुकाबला नहीं है।

क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आप ताकतवर सांडों से घिरे हुए हैं जो आप पर वार कर रहे हैं? इस प्रकार वह क्रूस पर अपने चारों ओर शत्रु, रोमन सैनिकों, नेतृत्व को देखता है। वे उसके चारों ओर मजबूत बैल की तरह थे। वे उन सिंहों के समान हैं जो अपने शिकार को फाड़ डालते हैं और मुझ पर अपना मुंह फैलाकर दहाड़ते हैं।

और मैं स्वयं जल की भाँति बहाया जाता हूँ। मेरी सभी हड्डियाँ जोड़ से बाहर हैं। और क्रूस पर ठीक यही होता है।

सूली पर जो हुआ वह न केवल उपहास था, बल्कि सूली पर हड्डियाँ जोड़ से बाहर हो जाती हैं। और चूँकि हड्डियाँ जोड़ से बाहर होती हैं, इसलिए दम घुटने का कारण बनता है। क्रूस पर चढ़ा हुआ व्यक्ति दम घुटने से मर जाता है।

वे साँस नहीं ले सकते. और चूँकि वे साँस नहीं ले सकते और वे हाँफ रहे हैं, वे प्यासे हैं। यह क्रॉस की एक आदर्श तस्वीर है।

तो, मेरी सभी हड्डियाँ जोड़ से बाहर हैं, क्रॉस की एकदम सही तस्वीर। रूपक है मैं पानी की तरह हूँ। और इसलिए, अब उसकी दिल की धड़कन तेज़ नहीं रही।

उसका दिल मोम जैसा है. यह मेरे भीतर पिघल गया है क्योंकि वह स्वयं मृत्यु में जा रहा है। यह सब क्रूस पर चढ़ाए जाने से होने वाली मृत्यु का बहुत वर्णनात्मक है, जो डेविड के समय में अज्ञात था क्योंकि आप लोगों को पत्थर मारकर मार डालते थे।

वह यहां सभी हड्डियों के जोड़ से बिल्कुल अलग तरह का चित्रण कर रहा है। वह प्यासा है और यह पत्थर मारने की तस्वीर नहीं है. मेरी ताकत पुट शर्ट की तरह सूख गई है।

जब तुम मुझे मौत की धूल में डालते हो तो मेरी जीभ मेरे मुँह की छत से चिपक जाती है। तो, वह इन जानवरों के साथ मौत के मुँह में जा रहा है, जो उसे चारों ओर से घेरे हुए हैं, उसे टुकड़े-टुकड़े कर रहे हैं, ऐसा कहा जा सकता है, और उसके चारों ओर बैल हैं। जैसे-जैसे वह आगे बढ़ता है, उसकी सभी हड्डियाँ जोड़ आदि से बाहर हो जाती हैं, अब उसकी ताकत खत्म हो गई है और वह साँस नहीं ले पाता है।

केवल एक बार मैंने महसूस किया है कि मेरी जीभ मेरे मुँह की छत से चिपक गई है। अक्सर जब मैं धर्मग्रंथ पढ़ रहा होता हूँ, तो मैं इसे अपने अनुभव से चित्रित करने का प्रयास करता हूँ। मैं गर्मियों के मध्य, जुलाई में एक परिवार को इराक ले जा रहा था।

इराक जाने का समय नहीं. जब तक हम वहां थे, मैंने कभी भी थर्मामीटर को 50 डिग्री सेल्सियस, 120 डिग्री से नीचे जाते नहीं देखा। बहुत गर्मी है.

हम हटरा नाम की जगह पर निकले। सुदूर पूर्व में रोमन साम्राज्य की यही सीमा थी। वहां उन्होंने पार्थियनों के विरुद्ध लड़ाई लड़ी।

मुझे इस पर व्याख्यान देना था। मैंने व्याख्यान देना शुरू किया और मैं नहीं कर सका। मेरे होंठ आपस में चिपक गये.

मेरी जीभ मेरे तालू से चिपक गई और सभी को राहत मिली, मैं बात नहीं कर सका। ऐसा ही महसूस होता है. और फिर वह कुत्तों के पास वापस चला जाता है, अशुद्ध कुत्ते, दुष्ट लोगों का एक समूह जो मुझे घेरे हुए है।

फिर उन्होंने मेरे हाथों और पैरों में छेद कर दिये। अब वहां कुछ पाठ्य संबंधी समस्या है, लेकिन वह लगभग निश्चित रूप से मूल पाठ है। फिर वह इसका वर्णन करता है।

तो, मैं अपनी सभी हड्डियाँ गिन सकता हूँ। लोग घूरते हैं, वे मुझ पर प्रसन्न होते हैं और वे मेरे कपड़े आपस में बांटते हैं और उसके मूल वस्त्र पर चिट्ठी डालते हैं। हमने कविता में उसके बारे में बात की, जो वास्तव में क्रूस के नीचे घटित हुआ था।

यह एक अद्भुत भविष्यवाणी है. एक व्यक्ति को क्रूस पर चढ़ाकर मरते हुए चित्रित किया गया और फिर उसके हाथों और पैरों में छेद कर दिया गया, और फिर उसके कपड़े बांट दिए गए और डेविड के जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं था और पूरी तरह से पूरा हुआ। इसीलिए यीशु ने कहा कि यह समाप्त हो गया है।

उन्होंने शास्त्रों को पूरी तरह से पूरा किया। धर्मग्रंथ हमारे विश्वास को प्रमाणित करने के लिए उसके बारे में बात करते हैं। अब याचिका आई है।

वह पूछ रहा है, यहां तक कि उस बीच में भी जहां भगवान इसे उलटने के लिए बहुत दूर महसूस करता है, लेकिन आप, मैं दूर नहीं हूँ। मेरी सहायता मेरी सहायता के लिए शीघ्रता से आती है। फिर वह जो करता है वह यह है कि वह अपने हाथों और पैरों को उबाऊ बनाने की कल्पना को उलट देता है।

वह बस पीछे की ओर जाता है, तलवार और कुत्ते और शेर और जंगली बैल। वह अपनी याचना को अपने विलाप के साथ जोड़ते हुए, चिआस्म में पीछे की ओर चला जाता है। तो, मेरा मतलब है, उसकी याचिका के साथ उसका विलाप था।

तो, उनके पास इन जूमॉर्फिक छवियों के साथ सात याचिकाएँ थीं। वह उन सभी को अपनी याचिका में चुनता है और उसे उलट देता है। मेरे अनमोल जीवन, तलवार से मेरे जीवन में जीने से दूर मत रहो।

मेरे पास केवल एक ही है, हम सभी के पास बस एक ही है। जब कुत्तों की शक्ति मुझे सिंहों के मुंह से बचाती है, तो जंगली बैलों के सींगों से मुझे उत्तर दो। मैं उसे सींगों पर लटका हुआ नहीं, बल्कि इन जंगली बैलों की कल्पना करता हूँ, ये बैल अपने सिर नीचे किए हुए हैं और उनके चारों ओर सींग हैं।

कम से कम मैं इसे इसी तरह चित्रित करता हूँ। और लगभग पुनरुत्थान के परिवर्तन के साथ, अचानक, वह इसके बीच में भगवान की स्तुति कर रहा है, बिल्कुल अचानक। स्तुति दो खंडों में विभाजित है।

सबसे पहले, वह यहूदी लोगों, मेरे भाइयों और वास्तव में विश्वास करने वाले यहूदियों के लिए प्रभु की स्तुति करने जा रहा है। वह श्लोक 22 में है और वह श्लोक 26 तक पाँच श्लोकों तक है। और फिर भाइयों के लिए स्तुति की घोषणा करने के बाद, वह श्लोक 27 में, पृथ्वी के छोर तक गूँजने वाला है।

तो, इसकी शुरुआत उसके अपने भाइयों की प्रशंसा से होती है और वे खाना खाने जा रहे हैं। फिर वह बदले में पृथ्वी के सभी छोर तक ले जाएगा। तो, आपके पास मंडली के भीतर प्रशंसा के पाँच छंद हैं, पृथ्वी के छोर तक प्रशंसा के पाँच छंद हैं।

फिर, आपको पाँच और पाँच मिलते हैं। तो, वह कहते हैं, श्लोक 22 में, मैं आपका नाम घोषित करूँगा। यही वह नाम है जो मैं हूँ, जो अनंत काल तक जीवित रहता है, जिसका यह महान कार्य है कि ईश्वर न केवल शाश्वत है, बल्कि वह अपने भविष्य के द्वारा, अपने सभी बचाने वाले कार्यों के द्वारा बन रहा है, वह हमारे लिए और अधिक स्पष्ट हो जाता है कि वह कौन है और वह क्या करता है।

सभा में मैं तेरी स्तुति करूंगा। और इसलिए, वह मंडली में उन लोगों को संबोधित करता है जो प्रभु से डरते हैं। इसमें गैर-यहूदी शामिल हो सकते हैं, लेकिन यह मुख्य रूप से उसके अपने लोग हैं।

हे याकूब के सब वंशो, तुम जो मेरा भय मानते हो, उसकी स्तुति करो, हे इस्राएल के सब वंशो, उसका आदर करो, उसका आदर करो, जैसे वह अपनी प्रजा को सम्बोधित करता है। कि वे उसे पा लें, वह पहले यहूदी और फिर यूनानी के पास आया। इसलिए, वह अपनी गवाही अपने ही लोगों को दे रहा है।

जब वह मरे हुआओं में से जी उठा तो उसने इसे इसी प्रकार दिया। उस ने स्त्री से कहा, जा कर मेरे भाइयों से कह दे। और उन्होंने इसे हूबहू पूरा किया।

और यह प्रशंसा ईश्वर की ओर से आती है और पुराने नियम की भाषा में कहें तो यह उचित होगा कि वे भोजन करें। और संभवतः क्रूस पर, यीशु ने कहा, जब तुम मेरी प्रार्थना का उत्तर दोगे, मानो हम सब ऐसा करेंगे, यह मसीहा का भोज बनने जा रहा है। हम सब खायेंगे और खुश होंगे।

इसलिये उस ने उन से कहा, कंगालों और दुखियोंको भोजन करके तृप्त होने दो। जो लोग मेरी खोज करते हैं, वे उसकी स्तुति करें, और पुनरुत्थान के कारण तुम्हारे हृदय सर्वदा जीवित रहें, तुम्हें आशा है। अपने हृदय को सदैव जीवित रहने दो।

और एक अर्थ में, हम कभी नहीं मरते। फिर पृथ्वी के छोर तक, यह सार्वभौमिक रूप से अंतरिक्ष में होगा। पृथ्वी के दूर दूर देशों के सब लोग स्मरण करके यहोवा की ओर फिरे, और जाति जाति के सब कुलों के लोग तेरे साम्हने दण्डवत् करें।

क्योंकि प्रभुता मेरा ही है, मैं जाति जाति का शासक हूँ। और इसलिए, इसका सार्वभौमिक अनुप्रयोग है कि सभी लोग इस राजा की कहानी सुनेंगे जिसने कष्ट सहा और विजय प्राप्त की। और यह उन सभी राष्ट्रों तक जाएगा जो उसके प्रभुत्व का हिस्सा बन जाएंगे जैसा कि पृथ्वी पर है।

इसका असर समाज के सभी वर्गों पर पड़ने वाला है। पृथ्वी के सब धनवान उसे दण्डवत् करें। उसके सामने वे सभी घुटने टेकेंगे जो धूल में मिल जाएंगे, जिन्होंने अपने जीवन की रक्षा नहीं की और न केवल अंतरिक्ष में सार्वभौमिक, बल्कि समय में भी सार्वभौमिक हैं।

इस भजनकार ने मृत्यु की धूल में जाने और अब स्वयं मृत्यु से बाहर आकर स्तुति करने का जो अनुभव किया है, उसकी यह गवाही पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती रहेगी। और यहां हम इतिहास के अंत में हैं, जहां तक हम ह्यूस्टन, टेक्सास में आ गए हैं, और हम अभी भी इसका जश्न मना रहे हैं। और हमारे बच्चे इसे मनाएंगे।

उनका बीज उसकी सेवा करे। उनकी पीढ़ी को सब के प्रभु के विषय में बताया जाए। वे आएँ और उसकी धार्मिकता का प्रचार करें।

और हम पहले ही अजन्मे लोगों की धार्मिकता पर टिप्पणी कर चुके हैं। और वे क्या कहते हैं? उन्होंने अभिनय किया है. उन्होंने ऐसा किया है.

यही गवाही है. हमारे पास कितनी विरासत है. हमारे पास कौन से शास्त्र हैं.

एक अधिक निश्चित शब्द, जैसा कि भजन लेखक ने कहा, भविष्यवाणी का एक अधिक निश्चित शब्द है क्योंकि हम इसकी पूर्ति देखते हैं। मुझे लगता है कि यह स्तोत्र का सबसे अच्छा चित्रण है, अगर आपने कहानी सुनी हो तो मुझे बताएं। यह वाटरलू की लड़ाई के बाद ड्यूक वेलिंगटन की कहानी है।

मैंने वर्षों पहले कहानी सुनी थी कि वाटरलू की लड़ाई के बाद, वे इंग्लैंड को लड़ाई और वेलिंगटन की जीत के बारे में बताना चाहते थे। उन्होंने इसे इंग्लिश चैनल पर सेमाफोर द्वारा संप्रेषित किया। तो, आपके पास रोशनी होगी।

उन दिनों वे इसी तरह संवाद करते थे। आपके पास झंडे या कुछ भी, रोशनी और मोमबत्तियाँ, कुछ भी होगा। और इस प्रकार, सेमाफोर द्वारा, वे इसे इंग्लिश चैनल में डाल देंगे और कैलाइस से डोवर तक, डोवर में लोग संदेश देखेंगे।

तब वे पूरे द्वीप में दूत भेजेंगे। और इस तरह उन्हें खबर मिली. कहानी में बताया गया है कि वाटरलू की लड़ाई के बाद और संदेश सुनाया जा रहा था, उसने जो कहा वह था, वेलिंगटन हार गया और कोहरा छा गया।

उन्होंने बस इतना ही देखा. यह ब्रिटिश द्वीपों के लिए संदेश था, वेलिंगटन हार गया था। मैं वास्तव में, एक बार विक्टोरिया में एक सराय में था।

मैंने वहां थोड़ी छुट्टियाँ लीं। दीवार पर यह तस्वीर थी और इसमें एक बुनियादी शस्त्रागार, एक लोहार को अपने चूल्हे और अपनी धौकनी के साथ दिखाया गया था। फिर वह अपने लोहार के एप्रन पर था।

सामने एक चमकदार नई तोप थी जो उसने अभी-अभी बनाई थी। वहाँ एक संदेशवाहक है जो उसे पढ़ रहा है। आप लोहार के चेहरे पर आश्चर्य, हांफते हुए भाव देख सकते थे।

इसलिए, मैंने मालिक से इस कहानी के बारे में बताने के लिए कहा। उसने मुझे बताया कि तभी संदेश बाहर चला गया और इस लोहार की सुनवाई, वेलिंगटन ने हरा दी। लेकिन जब कोहरा छंटा, तो पूरा संदेश यह था कि वेलिंगटन ने दुश्मन को हरा दिया।

और यही मेरे गाने की कहानी है. आप इसके माध्यम से क्रूस पर चढ़ते हैं, ईसा मसीह ने ईस्टर रविवार को हराया, ईसा मसीह ने दुश्मन को, हमारे सबसे बड़े दुश्मन, मौत को ही हरा दिया। मेरा मतलब है, हम पवित्र भूमि पर हैं।

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 16, याचिका स्तोत्र, विलाप, स्तोत्र 22 है।